भारत सरकार

खान मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1326

02 मई, 2016 को उत्तर के लिए

स्वर्ण खानें

1326. श्री रोड़मल नागरः

डॉ. वीरेन्द्र कुमारः

क्या **खान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान देश में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण सहित विभिन्न एजेंसियों द्वारा किए गए स्वर्ण अन्वेषण कार्यकलापों और पता लगाए गए स्वर्ण भंडारों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या सरकार का विचार देश में स्वर्ण अन्वेषण एवं निष्कर्षण के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी इस्तेमाल करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

<u>खान एवं इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)</u>

(क) जीएसआई, एमईसीएल, राज्य डीजीएम, राज्य/केंद्रीय उपक्रम और निजी क्षेत्र कंपनियां, जैसी कई गवेषण एजेंसियां, देश में स्वर्ण भंडारों का गवेषण कार्य कर रही है । जीएसआई, अपने वार्षिक कार्य सत्र कार्यक्रम के अनुसार स्वर्ण के लिए खनिज गवेषण कर रहा है ।

कार्यसत्र 2013-14 के दौरान जीएसआई ने, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश राज्यों में फैले स्वर्ण की 19 गवेषण मदों पर कार्य किया तथा राजस्थान और कर्नाटक से कुल 5.895 मिलियन टन स्वर्ण अयस्क के संसाधनों का पता लगाया । कार्य सत्र 2014-15 के दौरान, जीएसआई ने राजस्थान, बिहार, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल राज्य में 24 स्वर्ण गवेषण मदों पर कार्य किया तथा राजस्थान और झारखंड में कुल 1.807 मिलियन टन स्वर्ण अयस्क संसाधनों का पता लगाया । कार्य सत्र 2015-16 में, जीएसआई ने राजस्थान, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और अरूणाचल प्रदेश राज्यों में फैले स्वर्ण के 22 गवेषण मदों पर कार्य किया । तथापि इन गवेषणों में संसाधनों का पता लगाना अभी बाकी है ।

पिछले तीन वर्षों के दौरान जीएसआई द्वारा जहां स्वर्ण संसाधनों का अनुमान लगाया गया है उनका राज्य-वार विवरण नीचे दिया गया है :

क्र.सं.	फील्ड सत्र	राज्य	क्षेत्र विवरण	संसाधन
1.	2013-14	कर्नाटक	अज्जनहली ब्लॉक-ई, तुमकुर जिला	0.90g/t to 1.31g/t के औसत ग्रेड के 0.36 मि.टन के अनुमानित खनिज संसाधन (333)
			अज्जनहली ब्लॉक-सी, तुमकुर जिला	0.88g/t to 0.90g/t के औसत ग्रेड के 0.43 मि.टन के अनुमानित खनिज संसाधन (333)
2.		राजस्थान	जगपुरा क्षेत्र, बासवाडा जिला	1.78 g/t, के औसत ग्रेड के 5.015 मि.टन के स्वर्ण अयस्क के अनुमानित खनिज संसाधन (333)
3.		झारखंड	सिंदौरी, घनश्यामपुर क्षेत्र, रांची जिला	स्वर्ण अयस्क के 0.81 g/t के औसत ग्रेड के 0.767 मि.टन के स्वर्ण अयस्क के अनुमानित खनिज संसाधन (333)
4.	2014-15	राजस्थान	मुंडियावार ब्लॉक, अलवर जिला	स्वर्ण अयस्क के 0.76 g/t के औसत ग्रेड के 0.09 मि.टन के स्वर्ण अयस्क के अनुमानित खनिज संसाधन (333)
5.			खेरा मेन ब्लॉक, अलवर जिला	स्वर्ण अयस्क के 0.59 g/t के औसत ग्रेड के 0.37 मि.टन के स्वर्ण अयस्क के अनुमानित खनिज संसाधन (333)
6.			खेरा एसई ब्लॉक, अलवर जिला	स्वर्ण अयस्क के 0.70 g/t के औसत ग्रेड के 0.15 मि.टन के स्वर्ण अयस्क के अनुमानित खनिज संसाधन (333)
7.			गुडेलपाड़ा पश्चिम ब्लॉक, बासवाडा जिला	स्वर्ण के 0.32 ppm के औसत ग्रेड के 0.43 मि.टन के स्वर्ण अयस्क के अनुमानित खनिज संसाधन (333)

पिछले तीन वर्षों के दौरान एमईसीएल द्वारा किए गए स्वर्ण गवेषण और स्वर्ण भंडार/संसाधनों की गई पुष्टि निम्नलिखित है :

वर्ष	राज्य	ब्लॉक/जिला	गतिविधि
2013-14	शून्य	शून्य	शून्य
2014-15	झारखंड	पहाडिया, वेस्ट सिंहभूम, जिला	ब्लॉक में 0.5 g/t कटऑफ ग्रेड में स्वर्ण के 2.12 g/t के 1.16 मि.टन स्वर्ण अयस्क संसाधन अनुमानित किए गए है
		परासी (ईस्ट), रांची	ब्लॉक में 1.26 g/t कटऑफ ग्रेड में स्वर्ण के 0.5 g/t के 2.07 मि.टन स्वर्ण अयस्क संसाधन अनुमानित किए गए है ।
2015-16	झारखंड	परासी (ईस्ट), रांची	ब्लॉक में 0.50 g/t कटऑफ ग्रेड में स्वर्ण के 1.644 g/t के 3.65 मि.टन स्वर्ण अयस्क संसाधन अनुमानित किए गए है ।

(ख) जी हां । जीएसआई और एमईसीएल, स्वर्ण गवेषण के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर रहे है । इस संबंध में, जीएसआई ने गवेषण के लिए भू रासायनिक मानचित्रण, भूभौतिकी मानचित्रण, विषयक मानचित्रण एवं विभिन्न प्रकार की 2डी/3डी मॉडलिंग का एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया है । गवेषण क्रिया-कलापों को सुविधाजनक बनाने तथा गहराई पर स्थित खनिज निक्षेपों का पता लगाने के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से युक्त उपकरणों की खरीद की जाती है । गवेषण कार्यक्रम में शामिल अधिकारीगणों को जीएसआई एवं विदेशों के इस क्षेत्र में विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है तथा नवीनतम गवेषण तकनीक से अवगत कराया जाता हैं ।

जीएसआई ने इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा मास स्पेक्ट्रोमीटर (आईसीपीएमएस), वेपर जेनरेशन असेम्बली (वीजीए) एवं ऑटो सैम्पलर के साथ डबल बीम औटोमिक अब्सॉप्शन स्पेक्ट्रोमीटर (एएएस), एक्सरे फ्लोरसेंस (एक्सआरएफ), पल्वराइजर जैसे अत्याधुनिक उपकरणों को शामिल करके अपनी रसायन प्रयोगशालाओं को उन्नत किया है । इसने ग्रेवीमीटर, मैग्नेटोमीटर, डिफरेंसियल ग्लोबल पोजिसनिंग सिस्टम (डीजीजीएस) मशीने, इत्यादि जैसे भूभौतिकी सर्वेक्षण से संबंधित उपकरणों को भी खरीदा है । स्केनिंगइलैक्ट्रोन, माइक्रोस्कोप, इलेक्ट्रोन प्रोब माइक्रो-एनालाइजर, आइसोटोप-रेसियो मास स्पेक्ट्रोमीटर (आईआरएमएस) और लेज़र एब्लेसन मल्टीकलेक्टर इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज्मा स्पेक्ट्रोमीट्री (एलए-एमसी-आईसीपीएमएस) जैसे अत्याधुनिक यंत्रों को सम्मिलित करके विश्लेषणात्मक क्षमताओं में उन्नति हासिल की है । इसके अतिरिक्त, जीएसआई ने विभिन्न सर्वेक्षणों तथा गवेषण के लिए अत्याधुनिक हेलिबार्न जियोफिजिकल सर्वे सिस्टम और ओसियनोग्राफिक रिसर्च वेसल, समुद्र रत्नाकर को शामिल किया है तथा अपने ट्वीन ऑटर हवाई सर्वेक्षण प्रणाली को उन्नत किया है ।

एमईसीएल भी सर्वेक्षण, वेधन, भूभौतिकी सर्वेक्षण एवं खनिज विश्लेषण के लिए उन्नत तकनीक एवं यंत्रों का प्रयोग करता है । इसने उन्नत डीजीपीएस, टोटल स्टेशन, उच्च प्रौद्योगिकी से युक्त हाइड्रोस्टेटिक ड्रिल, नवीनतम भूभौतिकी लॉगर, मैग्नेटोमीटर तथा ग्रेवीमीटर इत्यादि प्राप्त किया है ।

*****